॥ वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामाविलः॥

| ओङ्कारपरमार्थाय नमः | रूपवते नमः |
|------------------------------|------------------------------|
| नरनारायणात्मकाय नमः | पावनाय नमः |
| मोक्षलक्ष्मीप्राणकान्ताय नमः | यशसे नमः |
| वेङ्कटाचलनायकाय नमः | सर्वेशाय नमः |
| करुणापूर्णहृदयाय नमः | कमलाकान्ताय नमः |
| टेङ्कारजपसुप्रीताय नमः | लक्ष्मीसल्लापसम्मुखाय नमः |
| शास्त्रप्रमाणगम्याय नमः | चतुर्मुखप्रतिष्ठात्रे नमः ४० |
| यमाद्यष्टाङ्गगोचराय नमः | राजराजवरप्रदाय नमः |
| भक्तलोकैकवरदाय नमः | चतुर्वेदिशरोरत्नाय नमः |
| वरेण्याय नमः १० | रमणा्य नमः |
| भयनाशनाय नमः | नित्यवैभवाय नमः |
| यजमानस्वरूपाय नमः | दासवर्गपरित्रात्रे नमः |
| हस्तन्यस्तसुदर्शनाय नमः | नारदादिमुनिस्तुताय नमः |
| रमावतारमङ्गेशाय नमः | यादवाचलवासिने नमः |
| णाकारजपसुप्रीताय नमः | खिद्युद्रक्तार्तिभञ्जनाय नमः |
| यज्ञेशाय नमः | लक्ष्मीप्रसादकाय नमः |
| गतिदात्रे नमः | विष्णवे नमः ५० |
| जगतीवल्लभाय नमः | देवेशाय नमः |
| वराय नमः | रम्यविग्रहाय नमः |
| रक्षःसन्दोहसंहर्त्रे नमः २० | माधवाय नमः |
| वर्चस्विने नमः | लोकनाथाय नमः |
| रघुपुङ्गवाय नमः | लालिताखिलसेवकाय नमः |
| दानधर्मपराय नमः | यक्षगन्धर्ववरदाय नमः |
| याजिने नमः | कुमाराय नमः |
| घनश्याम्लविग्रहाय नमः | मातृकार्चिताय नमः |
| हरादिसर्वदेवेड्याय नमः | रटद्वालकपोषिणे नमः |
| रामाय नमः | शेषशैलकृतस्थलाय नमः ६० |
| यदुकुलाग्रण्ये नमः | षाड्गुण्यपरिपूर्णाय नमः |
| श्रीनिवासाय नमः | द्वैतद्शेषनिवारणाय नमः |
| महात्मने नमः ३० | तिर्यग्जन्त्वर्चिताङ्मये नमः |
| तेजस्विने नमः | नेत्रानन्दकरोत्सवाय नमः |
| तत्त्वसन्निधये नमः | द्वादशोत्तमलीलाय नमः |
| त्वमर्थलक्ष्यरूपाय नमः | |
| | |

| वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामाविलः | | | |
|--|----|--|-----|
| दरिद्रजनरक्षकाय नमः | | मोहजालनिकृन्तनाय नमः | |
| शत्रुकृत्यादिभीतिघ्नाय नमः | | द्धिलाजाक्षतार्च्याय नमः | |
| भुजङ्गरायनप्रियाय नमः | | यातुधानविनाशनाय नमः | ९० |
| जाग्रद्रहस्यावासाय नमः | | यजुर्वेदिशिखागम्याय नमः | |
| यस्मै नमः | ७० | वेङ्कटाय नमः | |
| शिष्टपरिपालकाय नमः | | दक्षिणास्थिताय नमः | |
| वरेण्याय नमः | | सारपुष्करिणीतीराय नमः | |
| पूर्णबोधाय नमः | | रात्रौँ देवगणार्चिताय नमः | |
| जन्मसंसारभेषजाय नमः | | यत्नवत्फलसन्धात्रे नमः | |
| कार्त्तिकेयवपुर्धारिणे नमः | | श्रीञ्जपाद्धनवृद्धिकृते नमः | |
| यतिशेखरभाविताय नमः | | क्षीङ्कारजपकाम्यार्थ-प्रदानसद्यान्तराय नमः | |
| नरकादिभयध्वंसिने नमः | | सौं सर्वसिद्धिसन्धात्रे नमः | |
| रथोत्सवकलाधराय नमः | | नमस्कर्तुरभीष्टदाय नमः | १०० |
| लोकार्चामुख्यमूर्तये नमः | | मोहितखिललोकाय नमः | |
| ~ ~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~ | | · • | |

कंशवाद्यवतारवतं नमः शास्त्रश्रुतानन्तलीलाय नमः

यमशिक्षानिबर्हणाय नमः मानसंरक्षणपराय नमः

इरिणाङ्करधान्यदाय नमः

नेत्रहीनाक्षिदायिने नमः

मतिहीनमतिप्रदाय नमः

हिरण्यदानग्राहिणे नमः

नानारूपव्यवस्थिताय नमः

राजीवलोचनाय नमः

यज्ञवराहाय नमः

णगवेङ्कटाय नमः

तेजोराशीक्षणाय नमः

हार्दाविद्यानिवारणाय नमः

१०८

श्रीवेङ्कटेश्वराय नमः

नामावल्याः प्रत्येकनाम्नः प्रथमाक्षर-संयोजनेन—ओं नमो वेङ्कटेशाय भवभयहरणाय गजवरवरदायाघहराय श्रीमते तत्वरूपाय सकलचराचरनिदानायाखिलविदे रमालोलाय कुमारशेषाद्वैतिने द्वादशभुजाय शिवपूजकाय नरलोकेशाय मायिने महिमोदयाय वेदसाराय श्रीं ह्रीं सौं नमो नारायण ते स्वाहा—इति मन्त्रम् उपलभ्यते। ॥ इति श्री-वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥